मेरी समस्या (*डिस्लेक्सिया*)

वीरा लायल*

मैं हूँ एक छोटा-सा बच्चा,
झूठ न बोलूँ, मैं हूँ सच्चा।

मेरी है एक मुश्किल भारी,
कैसे हो मेरी तैयारी।

जब भी मैं कॉपी में लिखता,
लिखता कुछ हूँ, कुछ है दिखता।

टीचर मुझको समझ न पाते,
हरदम मुझको डाँट लगाते।

मम्मी होती हैं हैरान,
पापा भी रहते परेशान।

कहाँ है गलती समझ न पाऊँ,
जी करता स्कूल न जाऊँ।

चाहूँ मैं भी पढ़ना-लिखना,
सब बच्चों-सा आगे बढ़ना।

मेरे मन को समझो-जानो,
मेरी मुश्किल को पहचानो।

खोजो ऐसा कोई उपाय,
मुश्किल मेरी हल हो जाए।

---

* पी.आर.टी., के.वी.नं. 2, जे.एल.ए., बरेली

रजि. नं. 32427/76

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING